चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	23.07.2020	02	03-05

किसानों की दशा सुधारने को सेवा व समर्पण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार का शुभारंभ

भास्कर न्यूज | हिसार

देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी: एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऑनलाइन वेबिनार में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान कृषि संबंधी जानकारी हासिल करेंगे। पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वेबिनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। वेबिनार के संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह हैं जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

वेबिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते प्रोफेसर समर सिंह व अन्य।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	23.07.2020	12	01-06

हकृवि के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार

किसानों की दशा सुधारने के लिए समर्पण भाव से काम करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

देश के किसान की दशा तथा दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में बागवानी : एक सफल उद्यमी होने का अवसर विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत तथा विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा तथा दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्रामस्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा मेरा पानी-मेरी विरासत स्कीम के तहत धान नहीं लगाने पर प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि भी दी जाती है ताकि पानी को बचाकर व फसल चक्र अपनाकर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सके।

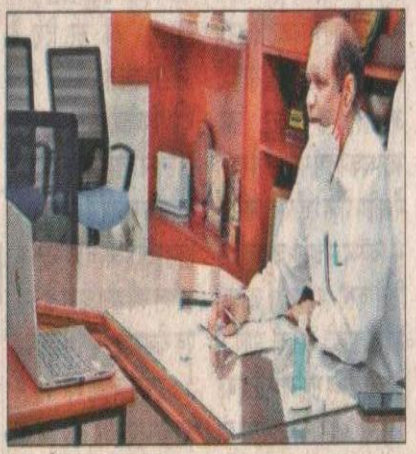

हिसार। वेबिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते हकृवि कुलपति प्रो. समर सिंह।

अर्जित ज्ञान का करें सदुपयोग

इस तरह के वेबिनार किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाती है। साथ ही विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर खेती संबंधी आधुनिक व बेहतर तकनीकों की जानकारी भी मिलती है। इसलिए किसान ऐसे आयोजनों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अर्जित ज्ञान का सदुपयोग करते हुए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें।

ऑनलाइन 23 किसान वेबिनार से जुड़े

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सहनिदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऑनलाइन वेबिनार में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान जुड़कर कृषि संबंधी जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने बताया कि पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वेबिनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वेबिनार के संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह हैं जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.07.2020	02	01-07

गाय-भैंस के लिए लोबिया पौष्टिक चारा, दूध-दही हो घणा सारा

हाली-पाली उठाए लाभ

ज्वार, बाजरा व मक्का संग उगाने से बढ़ जाती है चारे की गुणवत्ता

दुधारू पशुओं के लिए गर्मियों के मौसम में लोबिया की चारे की फसल अत्यंत लाभकारी है। यह गर्मी और खरीफ मौसम की जल्द बढ़ने वाली फलीदार, पौष्टिक और स्वादिष्ट चारे वाली फसल है। हिसार स्थित चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि गर्मियों में दुधारू पशुओं की दूध देने की क्षमता बढ़ाने के लिए लोबिया का चारा अवश्य खिलाना चाहिए। इसके चारे में औसतन 15 से 20 फीसद प्रोटीन और सूखे दानों में लगभग 20 से 25 फीसद प्रोटीन होता है।

हिसार के हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया हरे चारे के अलावा दलहन, हरी फली (सब्जी) व हरी खाद के रूप में अकेले या मिश्रित फसल के तौर पर लोबिया को उगाया जाता है। इसे ज्वार, बाजरा व मक्का के साथ उगाएं तो इन फसलों के चारे की गुणवत्ता बढ़ जाती है।

खेत में उगी लोबिया की फसल। • जागरण

कुलपति प्रो. समर सिंह। • जागरण

अच्छी पैदावार के लिए किसान उन्नत किस्मों का करें चुनाव

हकृवि के आनुवांशिकी व पौध प्रजनन विभाग के चारा अनुभाग के अध्यक्ष डा. डीएस फोगाट व ज्वार विशेषज्ञ डा. सतपाल ने बताया कि किसान लोबिया की उन्नत किस्में लगाकर चारा उत्पादन बढ़ा सकते हैं। उन्होंने बताया कि लोबिया की सीएस 88 किस्म, एक नई व परिष्कृत किस्म है जो चारे की खेती के लिए सर्वोत्तम है। यह सीधी बढ़ने वाली किस्म है। इसके पत्ते गहरे हरे रंग के तथा चौड़े होते हैं। इसके बीज का रंग हल्का गुलाबी भूरा या हल्का भूरा होता है। यह किस्म विभिन्न रोगों विशेषकर पीले मौजेक विषाणु रोग के लिए व कीटों से मुक्त है। इस किस्म की बिजाई सिंचित व कम सिंचाई वाले क्षेत्रों में गर्मी तथा खरीफ के मौसम में की जा सकती है। इसका हरा चारा लगभग दो महीनों में कटाई के लायक हो जाता है। इसके हरे चारे की पैदावार लगभग 150 क्विंटल तक प्रति एकड़ है। यदि फसल बीज के लिए लेनी हो तो लोबिया की बिजाई का सही समय मध्य जुलाई से अगस्त का प्रथम सप्ताह है।

दोमट मिट्टी होती है उपयुक्त

डा. सतपाल ने बताया कि लोबिया की काश्त के लिए दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त होती है। रेतीली दोमट मिट्टी में भी इसे आसानी से उगाया जा सकता है। खेत की बढ़िया तैयारी के लिए 2-3 जुताई काफी है। उन्होंने बताया कि लोबिया की बिजाई मध्य मार्च से लेकर जुलाई अंत तक कर सकते हैं। गर्मियों में सबसे अच्छा समय मध्य मार्च से लेकर मई का पहला सप्ताह है, जिससे इसका हरा चारा चारे की कमी वाले समय में उपलब्ध हो जाता है। खरीफ में इसकी बिजाई किसान मध्य जून से जुलाई अंत तक कर सकते हैं। अगर मानसून देरी से आता है, तो सिंचित इलाकों में पानी लगाकर इसकी बिजाई की जा सकती है। उन्होंने बताया कि पौधों की उचित संख्या व बढ़वार के लिए 16 से 20 किलोग्राम बीज प्रति एकड़ उचित रहता है। पंक्ति-से-पंक्ति की दूरी 30 सैंटीमीटर रखकर पौधे अथवा ड्रिल द्वारा बिजाई करें। लेकिन जब मिश्रित फसल बोई जाए तो लोबिया के बीज की एक तिहाई मात्रा प्रयोग करें। उन्होंने किसानों को सलाह दी कि बिजाई के समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए। लोबिया के लिए सिफारिश किए गए राइजोबियम कल्चर से बीज का उपचार करके बिजाई करें।

उर्वरक, निराई-गुड़ाई व सिंचाई का किसान रखें विशेष ध्यान : चारा-अनुभाग के अध्यक्ष डा. डी.एस. फोगाट के अनुसार दलहनी फसल होने के कारण, लोबिया में नाइट्रोजन की अधिक आवश्यकता नहीं होती। फिर भी शुरू की अच्छी बढ़वार के लिए 10 किलोग्राम शुद्ध नाइट्रोजन प्रति एकड़ बिजाई के समय डालें। बिजाई से पहले सिंचित इलाकों में 25 किलोग्राम फास्फोरस तथा बारानी क्षेत्रों में 12 किलोग्राम फास्फोरस पोरा या ड्रिल से डालें। मिश्रित खेती में उर्वरक फसल की सिफारिश के अनुपात में ही डालें। इसके अलावा गर्मी के मौसम में बोई गई फसल में एक निराई-गुड़ाई पहली सिंचाई देने के बाद जमीन वत्तर आने पर करें। मानसून की वर्षा पर बोई गई फसल में एक गुड़ाई बिजाई के लगभग 25 दिन बाद करें। लोबिया की फसल के लिए कुल 3-4 सिंचाई ही काफी होती है। बरसात के मौसम में बोई गई फसल में आमतौर पर सिंचाई की जरूरत नहीं होती है। जल-निकास का उचित प्रबंध करना भी आवश्यक है। डा. सतपाल ने बताया कि लोबिया की हरे चारे के लिए कटाई 50 फीसद फूल आने से लेकर 50 फीसद फलियां बनने तक पूरी कर लेनी चाहिए। इसके बाद इसका तना सख्त व मोटा हो जाता है और चारे की पौष्टिकता व स्वादिष्टता दोनों ही प्रभावित होती है।

प्रस्तुति- फीचर डेस्क, हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	23.07.2020	03	06-07

एचएयू में 15 दिनों में सभी अप्रूवल फाइलें तलब हुईं

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में पूर्व कुलपति प्रो केपी सिंह के जाने के बाद अब उनके द्वारा आखिरी समय में किए गए कार्यों का रिव्यू शुरू हो गया है। इसके लिए नए कुलपति प्रो. समर सिंह ने अपनी ज्वाइनिंग से 15 दिन पहले में अप्रूव्ड हुई फाइलों की जानकारी मांगी है। अधिकांश विभागों ने एक जुलाई से लेकर 15 जुलाई तक के जितने भी कार्यों व फाइलों पर पूर्व कुलपति ने हस्ताक्षर किए हैं उनकी जानकारी कुलपति कार्यालय में पहुंचानी शुरू कर दी है। ऐसे में नए कुलपति आते ही फॉर्म में आ गए हैं। कुलपति द्वारा अचानक से फाइलों को मंगाने का मामला विवि में चर्चा का विषय बना हुआ है। हालांकि विवि प्रशासन की तरफ से अभी इस मामले में कुछ भी कहना जल्दबाजी बता रहे हैं।

कुलपति रिव्यू करने के बाद ही बढ़ाएंगे फाइलें : सभी मामलों में दो दर्जन से अधिक फाइलें बताई जा रही हैं। इन फाइलों का कुलपति अगले सप्ताह से रिव्यू करना शुरू कर देंगे। रिव्यू में देखा जाएगा कि जिस फाइलों पर अप्रूवल दी गई है वह नियमों के आधार पर दी गई है या नहीं, उसमें किसी प्रकार की कमी तो नहीं है।

पूर्व वीसी द्वारा किए कई कार्य अभी भी हैं अधूरे

एचएयू में पूर्व वीसी द्वारा शुरू किए कार्य लॉकडाउन के कारण और भी पिछड़ गए। अब इन कार्यों को गति नहीं मिली तो छात्रों तक सुविधाएं और देरी में पहुंच सकती है। इसमें इंडोर स्टेडियम, मैकेनाइज्ड बॉयोगैस प्लांट, गुरुग्राम में एग्रीकल्चर मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट जैसे बड़े प्रोजेक्ट मुख्य रूप से शामिल हैं। इन सभी को गति देने के लिए प्रो समर सिंह ज्वाइनिंग के बाद से एक-एक कार्यों का रिव्यू कर रहे हैं, ताकि कार्यों को समय रहते पूरा कराया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	23.07.2020	02	01-02

किसानों की दशा सुधारने को सेवा व समर्पण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

हिसार। देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। यह विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी : एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	22.07.2020	--	--

हकृवि के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार का शुभारंभ

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समपर्ण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी:एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'मेरा पानी-मेरी विरासत' स्कीम के तहत धान न लगाने पर प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि भी दी जाती है ताकि पानी को बचाकर व फसल चक्र अपनाकर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने ग्रामीण युवाओं व महिलाओं से आह्वान् किया कि वे स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना कोई रोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बने। उन्होंने कहा कि महिलाएं विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण हासिल कर अचार बनाना, मुरब्बा बनाना, जैम व जैली तैयार करना सीख सकती हैं और उन्हें बिक्री कर अपनी आजीविका चला सकती हैं।

अर्जित ज्ञान का करें सदुपयोग

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने किसानों से कहा कि इस तरह के वेबिनार किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाती है। साथ ही विश्वविद्यालय के साथ जुड़कर खेती संबंधी आधुनिक व बेहतर तकनीकों की जानकारी भी मिलती है। इसलिए किसान ऐसे आयोजनों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अर्जित ज्ञान का सुदपयोग करते हुए अन्य लोगों को भी प्रेरित करें। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान की सह-निदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऑनलाइन वेबिनार में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान जुड़कर कृषि संबंधी जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने बताया कि पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वेबिनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वेबिनार के संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह हैं जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	22.07.2020	--	--

कार्यक्रम साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार का शुभारंभ

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समपर्ण भाव से काम करें वैज्ञानिक : कुलपति समर सिंह

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी:एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को

बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'मेरा पानी-मेरी विरासत' स्कीम के तहत धान न लगाने पर प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि भी दी जाती है ताकि पानी को बचाकर व फसल चक्र अपनाकर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने ग्रामीण युवाओं व महिलाओं से आह्वान् किया कि वे स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना कोई रोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बने।

अर्जित ज्ञान का करें सदुपयोग

कुलपति ने किसानों से कहा कि इस तरह के वेबिनार किसानों के लिए बहुत ही फायदेमंद होते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रमों में किसानों को सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न कल्याकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी जाती है। संस्थान की सह-निदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऑनलाइन वेबिनार में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान जुड़कर कृषि संबंधी जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने बताया कि पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वेबिनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वेबिनार के संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह हैं जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नित्य शक्ति टाईम्स	22.07.2020	--	--

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समर्पण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार का शुभारंभ

[illegible]

अर्जित ज्ञान का करें सदुपयोग

[illegible]

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत न्यूज	22.07.2020	--	--

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समर्पण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रो. समर सिंह

हिसार, 22 जुलाई (राज पराशर) : देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी: एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डा. एस के सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डा. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'मेरा पानी-मेरी विरासत' स्कीम के तहत धान न लगाने पर प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि भी दी जाती है ताकि पानी को बचाकर व फसल चक्र अपनाकर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढाया जा सके। प्रो. समर सिंह ने ग्रामीण युवाओं व महिलाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना कोई रोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बने। उन्होंने बताया कि पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वेबिनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वेबिनार के संयोजक डा. सुरेंद्र सिंह हैं, जबकि डा. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

हिसार : वेबिनार में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह। (छाया : राज पराशर)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	22.07.2020	--	--

'बागवानी : एक सफल उद्यमी होने का अवसर' पर वैबीनार

हिसार/22 जुलाई/रिपोर्टर

देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी: एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाईन वैबीनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वैबीनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा दें। संस्थान की सह-निदेशक डॉ. मंजू दहिया ने बताया कि तीन दिवसीय इस ऑनलाइन वैबीबनार में प्रदेश के विभिन्न स्थानों से किसान जुड़कर कृषि संबंधी जानकारी हासिल करेंगे। उन्होंने बताया कि पहले दिन लगभग 23 किसानों ने ऑनलाइन वैबीनार से जुड़कर सवाल-जवाब किए व कृषि संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने बताया कि वैबीनार के संयोजक डॉ. सुरेंद्र सिंह हैं जबकि डॉ. भूपेंद्र सिंह सहायक-निदेशक हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठक पक्ष	22.07.2020	--	--

पेड़ों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाएं किसान : कुलपति प्रोफेसर समर सिंह

पाठकपक्ष न्यूज

हिसार, 22 जुलाई : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बालसमंद स्थित अनुसंधान फार्म पर मंगलवार को किसान-वैज्ञानिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किसानों को खरीफ फसलों व आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। वन महोत्सव के अवसर पर इस गोष्ठी का आयोजन वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो की देखरेख में किया गया। इस गोष्ठी में बालसमंद गांव के 22 किसानों ने भाग लिया जिसमें विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और किसानों द्वारा इससे संबंधित पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब भी दिए। कोविड-19 के चलते इस गोष्ठी में सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया। किसानों को संबोधित करते हुए बालसमंद अनुसंधान फार्म के इंचार्ज डॉ. विरेंद्र दलाल ने कहा कि मौजूदा समय में कैर, रोहिड़ा, खेजड़ी जैसे वृक्षों की प्रजातियां लगभग विलुप्त हो रही हैं। ऐसे में इन प्रजातियों को बचाना बहुत ही आवश्यक है क्योंकि इन प्रजातियों की औषधीय महत्ता बहुत अधिक है। उन्होंने कहा कि पहले किसान अपने खेतों में हल चलाते समय ऐसे पेड़ों को बचा लेते थे लेकिन आजकल किसानों ने इन प्रजातियों के पेड़ों को जानकारी के अभाव में नष्ट कर दिया है। इसके अलावा किसानों को संबोधित करते हुए चारा विभाग से डॉ. सतपाल ने शुष्क क्षेत्रों में चारे की फसलों व खरीफ मौसम में लगने वाली फसल बाजरा, मूंग, ग्वार इत्यादि की वैज्ञानिक सस्य क्रियाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बालसमंद जैसे शुष्क क्षेत्र के लिए धामण घास, बाजरा व ज्वार चारे की दृष्टि से अत्यन्त महत्वपूर्ण है। धामण घास में प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है जिससे किसानों के दुधारू पशुओं का दूध उत्पादन् बढ़ जाता है। रामधन सिंह बीज फार्म से डॉ. राजेश कथवाल ने बताया कि मानसून के दौरान वर्षा के कारण ग्वार व मूंग फसलों को बोने के लिए अगस्त माह का पहला सप्ताह उपयुक्त है। शुष्क क्षेत्रों में इस सप्ताह में इन फसलों को बोया जा सकता है। साथ ही ग्वार के बीज का उपचार स्ट्रैप्टोसाइक्लिन से 1 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज दर के हिसाब से किया जाना चाहिए जिससे बैक्टिरियल लीफ ब्लाईट को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके अलावा किसानों को बहुउद्देशीय वानिकी पेड़ों की नर्सरी व ट्रांसप्लान्टेशन प्रबन्धन पर भी जानकारी दी गई। गोष्ठी उपरांत सभी किसानों को सामाजिक दूरी रखते हुए नीम के वृक्ष प्रदान किए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
देशबन्धु (प्रादेशिकी)	22.07.2020	--	--

पेड़ों की लुप्त होती प्रजातियों को बचाएं किसान : कुलपति

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के बालसमंद स्थित अनुसंधान फार्म पर मंगलवार को किसान-वैज्ञानिक गोष्ठी का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कुलपति महोदय प्रोफेसर समर सिंह के दिशा-निर्देशानुसार किसानों को खरीफ फसलों व आधुनिक तकनीकों की जानकारी देने के उद्देश्य से इस गोष्ठी का आयोजन किया गया। वन महोत्सव के अवसर पर इस गोष्ठी का आयोजन वानिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आर.एस. ढिल्लो की देखरेख में किया गया। इस गोष्ठी में बालसमंद गांव के 22 किसानों ने भाग लिया जिसमें विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को खरीफ फसलों के बारे में विस्तारपूर्वक बताया और किसानों द्वारा इससे संबंधित पूछे गए विभिन्न सवालों के जवाब भी दिए। कोविड-19 के चलते इस गोष्ठी में सामाजिक दूरी व मास्क का विशेष ध्यान रखा गया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समरघोष, सिरसा	22.07.2020	--	--

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समपर्ण भाव से काम करें वैज्ञानिक: प्रो. समर सिंह

हिसार। देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी: एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग स्थापित कर कृषि स्वरोजगार को बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा 'मेरा पानी-मेरी विरासत' स्कीम के तहत धान न लगाने पर प्रोत्साहन स्वरूप कुछ राशि भी दी जाती है ताकि पानी को बचाकर व फसल चक्र अपनाकर जमीन की उर्वरा शक्ति को बढ़ाया जा सके। प्रोफेसर समर सिंह ने ग्रामीण युवाओं व महिलाओं से आह्वान किया कि वे स्वयं सहायता समूह बनाकर अपना कोई रोजगार स्थापित कर स्वावलंबी बनें। उन्होंने कहा कि महिलाएं विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले विभिन्न प्रशिक्षण हासिल कर अचार बनाना, मुरब्बा बनाना, जैम व जैली तैयार करना सीख सकती हैं और उन्हें बिक्री कर अपनी आजीविका चला सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (जीवन आधार)	22.07.2020	--	--

हिसार,

देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। कृषि के विविधिकरण से ही किसान की दशा व दिशा में सुधार होगा व देश और प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और देश प्रगति के पथ पर आगे बढ़ेगा।

यह बात हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कही। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी:एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आरएस हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि उद्यमियों से प्रेरणा लेकर बागवानी के साथ अन्य फसलें भी उगाएं और मूल्य संवर्धन करें। साथ ही ग्राम स्तर पर लघु उद्योग

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ऑनलाईन (यूनिक हरियाणा)	**22.07.2020**	--	--

किसानों की दशा सुधारने के लिए सेवा व समपर्ण भाव से काम करें वैज्ञानिक : प्रोफेसर समर सिंह

July 22, 2020 • Rakesh • Haryana News

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के साइना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी एवं प्रशिक्षण शिक्षा संस्थान में वेबिनार का शुभारंभ

हिसार : 22 जुलाई

देश के किसान की दशा व दिशा सुधारने के लिए कृषि वैज्ञानिकों को सेवा व समर्पण भाव से काम करना चाहिए। उक्त विचार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। वे सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान में 'बागवानी:एक सफल उद्यमी होने का अवसर' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय ऑनलाइन वेबिनार के शुभारंभ अवसर पर किसानों व वैज्ञानिकों को संबोधित कर रहे थे। वेबिनार का आयोजन अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत व विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. आर.एस. हुड्डा की देखरेख में किया जा रहा है।